DATE 12.8.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य पाठ-8 'लता से साक्षात्कार'
(पाठ का शेष भाग)
पुस्तक - नवतरंग - 8 (पृष्ठ-65, 66)

प्यारे बच्चो, सुप्रभात।

आज हम पाठ-8 'लता जी से साक्षात्कार' का शेष भाग पढ़ेंगे। यह पाठ आपको 12 अगस्त, 2024 को भेजा जा रहा है। सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ 65, 66 खोलकर रख लें, साथ ही अभ्यास-पुस्तिका भी खोल लें। पाठ पढ़ाते समय मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछती जाऊँगी जिनके उत्तर लिखने के लिए आप तीन मिनट का अंतराल लेंगे फिर उत्तर लिखेंगे। अतः पाठ को पढ़ना और समझना अति आवश्यक है।

प्रश्नकर्त्ता ने जब लता मंगेशकर जी से पूछा कि आपका पहला गाना कब रिकार्ड हुआ तो लताजी ने बताया कि उन्होंने अपना पहला गाना मार्च 1942 मराठी फ़िल्म 'इति हसाल' में गाया था। इस फ़िल्म को संगीत सदाशिव राव नेवड़ेकर दे रहे थे। वे मेरे पिताजी के साथ ड्रामा में काम करते थे। उन्होंने पिताजी से कहा- एक पिक्चर में मैं संगीत दे रहा हूँ, मैं चाहता हूँ कि तुम्हारी बेटी इस पिक्चर में गाए। पहले तो पिताजी ने इनकार कर दिया, जब उनके दोस्त ने अपनी दोस्ती का वास्ता देकर विनती की तो पिताजी मान गए। मैंने उनका गाना गाया परन्तु न वह पिक्चर आई और ना ही वह गाना आया।

प्रश्नकर्ता ने उनसे पुनः पूछा - आपको वह पहला दिन याद है, जब पहली बार आपका गाना रिकार्ड

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

DATE 12.8.24
PAGE No. 2

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य पाठ-8 'लता से साक्षात्कार'

हो रहा था। घर से पहली बार निकलकर गाना रिकार्ड होने तक का यह बहुत बड़ा अनुभव रहा होगा।
लताजी ने कहा - मैं उससे पहले पिताजी के साथ क्लासिकल प्रोग्राम करती थी इसलिए इतना डर नहीं था। यह बात मार्च की है, अप्रैल में मेरे पिताजी की मृत्यु हो गई। माँ बहुत परेशान हो गई क्योंकि हम बहन-भाई का खर्च कैसे चलता? मैं सबसे बड़ी थी इसलिए मुझे चिंता होने लगी कि घर में पैसे कैसे लाऊँ? तब मेरे पिताजी के मित्र मास्टर विनायक ने अपनी फ़िल्मों में काम दिया। तीन महीने पिक्चर करने के बाद मुझे तीन सौ रुपए मिले थे। इस पिक्चर में मेरे द्वारा गाए गए दो-तीन गानों में से केवल एक गाना ही चला था।

प्रश्नकर्ता ने पूछा - आप अचानक से 'प्ले-बैक सिंगिंग' में कैसे आईं? तब उन्होंने बताया कि मैं 1945 तक प्रफुल्ल पिक्चर्स में नौकरी करती थी। अगस्त में विनायक राव की मृत्यु के आठ-दस दिन बाद हमारे कैमरामैन आए और उन्होंने कहा - एक म्यूज़िक डायरेक्टर हैं। वे तुमसे गाना लेना चाहते हैं और तुमको सुनना चाहते हैं। मैं उनकी मोटर साइकिल पर बैठकर सेंट्रल स्टूडियो पहुँची और उन्होंने मुझे सुना। उन्होंने मुझसे और गाने लेने को कहा। उनका गाना मैं रिकार्ड कर रही थी तब एक पठान ने बाहर से मेरा गाना सुना और मुझे बुलाया। उसने जाकर मास्टर गुलाम हैदर साहब को कहा कि एक कोई नई लड़की आई है। उसे आप बुलाइए। मेरे पास बुलावा आया और मैं अपनी मौसी की लड़की को लेकर वहाँ गई। वहाँ रिकार्डिंग चल रही थी। हम लोग बैठे रहे। कई घंटे के बाद पाँच बजे वे बाहर आए। वे बहुत बड़े म्यूज़िक डायरेक्टर थे - प्रश्नकर्ता के पूछने पर मैंने कहा - हाँ, उनका उस समय बहुत नाम था। उन्होंने देरी होने

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

12.8.24

DATE
PAGE No. 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 'लता से साक्षात्कार')

के कारण हमसे माफ़ी माँगी। वे मेरा गाना सुनने के लिए मुझे थियेटर में ले गए। उन्होंने मेरा गाना सुना। वे स्वयं पियानो अच्छा बजाते थे। मैंने उनको उनका ही गाना गाकर सुनाया तो वे बहुत खुश हुए और मुझसे पूछने लगे कि किससे सीख रही हो? जब मैंने अमानत खाँ साहब का नाम लिया जो उनके ही दोस्त थे। उन्होंने कहा— बहुत अच्छा है, सीखो। मैं तुमको गाना दूँगा। उन्होंने मुझे बुलाकर गाने का रिहर्सल शुरू किया। इससे पहले उन्होंने मेरी आवाज़ रिकार्ड करके एस. मुखर्जी साहब को सुनाई।

बच्चो! अब मैं आपसे प्रश्न पूछती हूँ। प्रश्न सुनकर उनका उत्तर लिखने के लिए आप तीन मिनट का विराम लेंगे तत्पश्चात उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. लताजी का पहला गाना कब और कौन-सी फ़िल्म में गाया गया तथा उसके संगीतकार कौन थे?

प्रश्न 2. लताजी के पहले गाने की रिकार्डिंग का अनुभव कैसा रहा? लिखो।

प्रश्न 3. लताजी 'प्ले-बैक सिंगिंग में कैसे आईं?

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हुआ। आशा है आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं —

उत्तर 1. लताजी का पहला गाना मार्च 1942 में मराठी पिक्चर 'इति हसाल' के लिए रिकार्ड हुआ। उसके संगीतकार सदाशिव राव नेवड़ेकर थे। वे ड्रामा थीकरते थे।

उत्तर 2. वैसे तो लताजी अपने पिताजी के साथ क्लासिकल प्रोग्राम करती थीं इसलिए पहली बार रिकार्डिंग करते समय उन्हें डर नहीं लगा और न कोई झिझक ही थी। सिर्फ़

(पृष्ठ - 3)

Scanned with CamScanner

DATE 12.8.24
PAGE No. 4

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 'लता से साक्षात्कार')

वहाँ जाकर उन्होंने गाना गाया शाम को वापस आ गई। यह बात मार्च की है। अप्रैल के महीने में उनके पिताजी की मृत्यु हो गई। उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

उत्तर 3. लता जी ने 1947 तक तो प्रफुल्ल पिक्चर्स में नौकरी की। अगस्त महीने में विनायक राव की मृत्यु के आठ-दस दिन बाद उनके कैमरामैन ने लता जी को बताया-एक संगीतकार हैं वे आपसे गाने लेना चाहते हैं। लता जी उनके साथ उनकी मोटर साइकिल पर बैठकर वहाँ गईं। काफ़ी प्रतीक्षा कराने के बाद म्यूज़िक डायरेक्टर उनसे मिले, गाना गवाकर देखा और उन्हें गाना गाने को दिया। इस प्रकार धीरे-धीरे काम मिलता गया और वे 'प्ले बैक सिंगर' बन गईं।

बच्चो! अब हम पाठ को आगे बढ़ाते हुए पढ़ते हैं। एस. मुखर्जी की उन दिनों एक पिक्चर बन रही थी। मुखर्जी साहब ने जब मेरी आवाज़ सुनी तो उन्होंने कहा - यह पतली आवाज़ है, हमारी हीरोइन को मैच नहीं करेगी। उनकी यह बात सुनकर मास्टर जी को बड़ा गुस्सा आया। उन्होंने मुझे साथ चलने को कहा। मैं और मेरी बहन उनके साथ पैदल ही स्टेशन पर गए। स्टेशन नज़दीक था। उनके हाथ में एक डिब्बी थी, उसमें ताल देते हुए उन्होंने मुझे गाने के लिए कहा। मैंने उनके साथ गाना गाया। वे मेरे गाने से बहुत खुश हुए और कहा बहुत अच्छे, यही मैं चाहता हूँ। उन्होंने मुझे ले जाकर रिहर्सल शुरू किए और दो दिन के बाद रिकार्डिंग थी। मैंने पिक्चर में हीरोइन के गानों को गाना था। उस समय वह पिक्चर और गाने दोनों ही बहुत चले। वे गाने जब रिकार्ड हो रहे थे, तब मुझे अनिल विश्वास जी ने सुना और खेमचंद्र जी ने सुना तो उन लोगों ने मुझे बुलाया तथा

(पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner

DATE 12.8.24
PAGE No. 5

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-8 'लता से साक्षात्कार')

अपने गाने गववाए। इस तरह से सबके गाने मैंने गाने शुरू किए।

प्रश्नकर्ता ने लता जी से पूछा कि पहले आप क्लासिकल गा रही थीं। हिंदुस्तान के बड़े-बड़े क्लासिकल सिंगर आपके कायल हैं। तो क्या आपको कभी इस बात का ख्याल आता है कि मैं क्लासिकल सिंगर बन जाती। इधर न जाती, उधर चली जाती। तो वहाँ भी आप---

बच्चो, अब मैं आपसे प्रश्न पूछूँगी। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आप तीन मिनट का अंतराल लेकर लिखेंगे।

प्रश्न 1. एस. मुखर्जी की किस बात पर मास्टर जी को गुस्सा आया?

प्रश्न 2. लता जी को कब दूसरे संगीतकारों ने अपने गानों को गाने के लिए कहा?

बच्चो, अब आपका समय समाप्त हुआ। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं -

उत्तर 1. जब एस. मुखर्जी ने लता जी की रिकार्ड की गई आवाज़ को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि यह पतली आवाज़ है, हमारी हीरोइन को मैच नहीं करेगी। बस, इसी बात को सुनकर मास्टर जी को बहुत गुस्सा आया।

उत्तर 2. जब दूसरे संगीतकारों ने उनके रिकार्ड हो रहे गानों को सुना, तब अनिल विश्वास जी, खेमचंद्र आदि ने उन्हें अपने बनाए गानों को गाने के लिए बुलाया और लता जी से गाने गववाए। इन संगीतकारों ने लता जी की आवाज़ को पसंद किया।

बच्चो, अब हम पाठ को आगे पढ़ते हैं -

प्रश्नकर्ता द्वारा क्लासिकल सिंगर बनने की बात को बीच में ही रोकते हुए लता जी ने उत्तर दिया कि मेरी इच्छा तो क्लासिकल सिंगर बनने की बहुत थी।

(पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner

DATE 12.8.24
PAGE No. 6

कक्षा - आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-8 'लता से साक्षात्कार')

मेरी ज़िम्मेदारियाँ इतनी थीं कि मैं क्लासिकल की तरफ़ ज़्यादा ध्यान न दे सकी, रियाज़ नहीं कर सकी क्योंकि सारा दिन रिकार्डिंग ही होती रहती थी। शुरू-शुरू में तो मुझे यह भी नहीं मालूम होता था कि स्टूडियो में कैंटीन होती है, वहाँ चाय या खाने के लिए मिलता है। मैं एक कमरे में सारा दिन भूखी बैठी रहती थी जबकि अन्य दूसरे लोग दोपहर को खाना खाने जाते थे। गाना रिकार्ड हो जाने के बाद मैं घर जाती थी। उस वक्त मेरे पास पैसे बहुत कम होते थे, मतलब ट्रेन का टिकट लिया और कुछ पैसे बचाकर रखती थी। स्टेशन से स्टूडियो बहुत दूर था। सब लोग ताँगा करके जाते थे। पैसे बचाने के लिए मैं ताँगा नहीं करती थी। पैदल ही आती-जाती थी। बचे हुए पैसों से स्टेशन पर मिलने वाली भाजी-सब्ज़ी खरीदकर घर ले जाती थी ताकि घर में किसी को कोई परेशानी न हो। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और संघर्षरत रहकर जीवन में सफलता प्राप्त कर आज वे 'भारतरत्न' की उपाधि से सुशोभित हैं।

शब्दार्थ :- (i) वास्ता - नाता, संबंध, लगाव (ii) मैसेज - संदेश (iii) एक्सपीरिएंस - अनुभव (iv) कायल - प्रशंसक (v) डायरेक्टर - निर्देशक (vi) तकलीफ़ - कष्ट।

टिप्पणी :-
सब बच्चे पाठ का अध्ययन करेंगे और पाठ को समझने का प्रयास करेंगे। अब मैं गृहकार्य दे रही हूँ।

गृहकार्य :- पृष्ठ संख्या 67 पर दिए पाठबोध के प्रश्न- 1 और 2 को स्वयं हल करने का प्रयास करेंगे। इकाई परीक्षा के लिए पाठ-1 और 4 के शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर को याद करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-6)

Scanned with CamScanner